TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. P_MSS_4406

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

प्रथमतीर्थंकरनाथकेवलज्ञानलक्ष्मीसनाथश्रेयस्करकेस्वामी।सुरगणारधीर २ अनंतगरिष्ठसर्वतंउपल्लसारकेस्वदर्णजगत्रजयविद्वत्पीमाया
विशुद्धनामादिनाथश्री...सुरनररत्ने ७ लवणाबीकीर २ श्रीविवर्द्धधरीय...नोबद्धमनगागंतप

एद०॥ स्वस्तिजिनाथ जगद्गुरु जगदेकशरण सर्वपापक्षयंकर। निस्तीर्णसंसारसागर। गुणरत्नरत्ना
कर। त्रिभुवनाधिकस्वरूप। प्रकाशितसंसारस्वरूप। सकलकल्याणकारक। दुरितापहारक। लोकालोकप्रव
रित्र। गंगाजलपवित्र। परमानंददायक। चतुर्विधश्रीसंघनायक। निर्म्मथितकलिकालनिर्नोशितप्रमादजाल। निर्द्दा
लितःपंचाश्रवतिःप्रतिमसलोषतिर्गतद्वेषरागस्यउश्रीवीतरागा॥१ नित्यानंददायिनी। दर्शितकुविंतिरूमिवनकादंबि
नी। शशांकशशांकद्युतिभिनी। कमनीयकांतिव्हृतजगत्र यत्रांति। सुद्गमयूष्मीइमीश्रीवीतरागनीमूर्त्ति॥२ नाभिनंद
नसकलमहीवलयमंडन। पंचधनवशतदेहमान। स्वर्णदीप्यमान। कज्जलश्यामकुंतलालिस्कंध। त्रिजगदेकबं
धु। केवलज्ञानलक्ष्मीसनाथ। इक्ष्वाकुवंशप्रथमतीर्थाधिप नाथ॥३ विश्वसनतपउत्तनयासद्गिरिजीवदयानय। वाली
सहप्रशातदेहमानपृच्छा। चतुःशाश्वतपुरीसदाकनक ममदेहकांतिः। नामस्मरणिहतगांति। पांचमतचक्रवर्त्तिदशादि
शिनिःश्रारितकीर्ति। पापङ्गवामतीर्थनाथ। श्रीशांतिनाथ॥४॥ समुद्रविजयशिवासुत। त्रैलोक्यप्रगत। कृतकज्जलश्यामलदे
हवर्ण। समंत्रिगुणमणिलोपृच्छवर्ण। बालब्रह्मचारि। मुक्तराजीमतीपरनारि। श्रीगिरनारमंडन। अष्टकर्मखंडन। बावीसमतीर्थं
करश्रीनेमीश्वर॥६ अश्वसेनकुलमंडन। वामानंदन। प्रियंगुवर्ण्णीलवर्णदेह। नवकरप्रमाणकाय। विषकलनादिमार्यक
लिकालिप्रकट प्रताप्तनामितमंत्र। एवंविध श्रीमहावीर॥७ जिनेंद्रवाणी वाणी अमृतसमाणी। योजनप्रमाणभूमिभागवि
स्तारिणी। सुरासुरनरशाबरतिर्यंचादि नांपाउमारिणी। सकलपंचेंद्रियजंतुप्रतिबोधकारिणी। मालवकोशकीरागोद्धारणी। सम
समेशयाधिमरनिराकरिणी त्रिभुवनजनोपकारिणी। सर्वजनविस्मयकारिणी। अंतरंगरिपुसर्व्वमहामंत्रास्मरणकारिणी इसी 1

वर्णक पृ०

मगर्वमनीवालीं॥८ गणधरजिनाज्ञाप्रतिपालनतत्पर।मोहांधकारदिनकर।सकलगुणगणकरंड।संसारसोपितारणतरंड।ब्रह्म
मगुणाण्वित।सकलसमय।सुभरूपविहारसहित।जिनमतधरणधीर।पंचमहाव्रतप्रतिपालनवीर।सकलदेशप्रसरितकीर्ति
करु।इस्यउ श्रीसद्गुरु॥९ ग्रामिरविहारक्रमुकरइ।अष्टादशशीलांगरथधरइ।परमेश्वरतणी आज्ञा सिरइ।पंचपरमेष्ठि स्मरइ।उ
पसर्गसहइ।माकलसी हृदयधरइ।उत्कृष्टतपकरइ।इस्याएकमहत्तु॥१० नाडीनाविह्न।तलाव।आराम।परबनपाडिमेहिन
गढप्रासाद।देऊल।विहार।समति।शशकार।कोष्टागार।धवलहर।लिमाल।पामाल।हस्तिशाला।वाजिशाला।विडहर।माहुहर।पा
रणीहर।घडीहर।वासहर।बारहर।माणहर।पंजहर।कवेलहर।पडवा।अट्टहट।फलहट।मांडवी।मानीहट।दोसीहट।गांधीहट।ट
कसाल।नाणावट।बहुतिहम्ब्रसिसंकुल।अनेकत्रिकचउक्क चउर।मालिका।राजमार्गस्तंभपथ।प्रतोली।आगमनिर्गमसार्गसंवाकंस्थ
निकगवाक्ष।मत्तवारणमंडित धवलहरदीसइ।सुवर्णम प्रदेश।कलस।अमलसारा प्रासादे।तत्रतोरणवेष्टवालि फलहलइ।
पैववईपताका।महलहइ।तिहनगरमाहि किसा२ राजवर्य व। महा।धराजान।मंडलीक।महाधर।सामंत।मेलदस्थ।वरतीरक्षय श्रेष्ठि
य।अनेकिराजत।पाटकडा।कायत।फलकार।सुरीकार।तम्बोलिकार टंकनकार।सीगडिया।मालविया।जेती।नेत्रवाद।जालंधरी।दशाप्रस्ति
वसइ। तिहनगरमाहि किसा२ व्यवहारीया वसइ। वकुर।नगमाली।मानी।गांधी।दोसी।नेसी।पटउलीय।पटसूत्रीया।फदिया।कंसारा।
गांधहडा।पूरुस्थि।साकरिया।दरमोलिया।कंदोईया।घीया।तेलीया।कणसारिया।नणमाली।मूत्रिया।फोफलिया।सूत्रधार।हिंबहड।मि
णावट।सूई।धाईवा।चमार।ठगार।छीपा।घांसी।मावी।नाडीतेली।परमापहाते।पतरिया वसइ।तीणि इन गरि नासकर।नोजकर।कवक।
श्याम।नाइकर।माली।तंबोली।वेश्या।विदानणी।नायागी।योगी।नटविट।धूर्त।लाहा।मीरा।जूआ।वेसकर।वारहंड।श्मिकरगाचायी।सूहावा
मीठावोला।हितवोला।सुहावाला।घोडाबोला।कूडाबोला।मलकर।मायावीया।कानिरिया।कासहडिया।पेलगडिया।छल।लोहर।मपनि

५ याचलिसावकलोकवसइ। जल्लाकंदकरना अनेकडुपुनोगवावीएतिपाणा।हताताननूया पाईय।अमिपवनलहमूयाडीयइवे
रमामक्कर्मकरहिवानलइ।इस्यउअवकलागवइ॥ क्कयरसिर्वतानइ२नंदउश।नंवशालधनघ्नशालिधनंदिश्वहमंदिरू७श्रीहस्तु८स्रमनताझ्न
हेमवानू१०केलाण्ठ११हेमकूर१२हलिकायाव१३इनीसुम हानीतु१५नक्षहा१६लकाीनिवास१७मकलक्ष्मीतिलिकु१८विद्धी१९पद्मराग२०
वेन्नकाहल२१पुष्कटाक्ष्ल२२एकावली२३राजहंसर२४हूपनर२५मरमामादराजा।नामनामा निप्रासाद॥ मितिरमिला अहधर२जाहलाउ
कण।लाधगजघर५अश्वधर६नरधर७सिंघपरि८कुंभर९एकलमुख१०काइला।लि।जोध१२हदी१३विनरणीथ१४मल्लाकहरतालि१५पूकमलाफाग१६हरदिया।लि
खीलिरग१८तुंगसा१९हदायापालवासुकनामु।२०भुजधर२१ति लकडा२२करहि२३पंर२४पत्यंग२४ठिघर२५आमलसार२६वेईकुं२७आमलसार२
१कापणी२२कलसु२३ध्वजादंडहितुरधधजांतप्रासाद सिखरापा रकडवेमालदामरवा।णतारआणीधरधदाढाय।कालदंगिआल।१ वाणी
समदेहसानु९ प्रश्नमिलं१० एकमल११सउपम्यधरा।किसा अवत्रीसलक्षणकपुरुष॥ कृष्णलश्यामलकेशपाश।अर्द्धचंद्रोपम
नालस्थल।कंदर्पकोदंडाक्कति।सुयुगलविकासितनीलोत्पल।दीर्घलोचन।मकरविराजिसमसरलनासावंश।परिपक्वबिंबीफल
तुलिमाधराष्ठ।कुंदकलिकासमानदंतपंक्ति।निर्मलपरिपूर्णशंक। चंद्रमंडलायमानवदनमंडल।शंखसमानत्रिरेखांकितकंठ।कंदललंबायमा
मानस्कंध।न्यक्षकपोलगोरवर्णमेसमलस्कंधप्रदेश।हृष्टपुष्टवृक्षस्थल।वर्तुलभुजादंड।गंगावर्त्तनाभिप्रदेश।तर्जितवज्रमध्य।कटीदीर।कदलीस्तं
भोपमसात्रुकरयुगलसुश्लिष्टसंधिबंधन।द्वात्रीसलक्षणलक्षतशरीर।बहत्तरकलाकुशल।दक्षकुमार।नीलावंत।भाग्यवंत।विनयवंत।लाव
विलास।विदित्तसत्कलाकलाप।इंडसमानदानानुरूपमण्डवर्णवइ॥अत्रवर्णनं॥२१ सुभटवर्णनं।वीरव्रतसिद्धांत।विविधवदान।अरशिरोमणि।कु
लक्रमागतस्वामिभक्ति।जयवादसादर।जीवितनिरादर।अम्मननिर्वहणमहासुभट।परदलमिलनसुभटकलइ।नीमाणाघायवलइ वि
धलहलइ।शिरडोबटकइ।वीरारामादणवस्राइ।राउराउतनाउवडोधाउणापाव।विपक्षकाव्यरि आरणी सवारी।घाउवर्दकशगाढीको। 2

वर्णक०१०

लिहादियशाहस्ती २ युद्धपावरपडइं। यमकाहलीवडउडइं। रथमरुद्दपट्टइं। हृदयबागलदहइं। गुहवहमइं। बप्पकाम्याबल्हमइं। सुनटहूफउं
नहमालकृपउवरइं। वेदलमिलइं। धूलिपडलकलइं। आकाशिमाधिरयशिक्षाइष्ठ। आयदलपरदलदेखीवेनजाणीए। सुभटफरुकइद्धको गनावल
॥२४॥ लक्षयोजनप्रमाण। मस्तकोलपर्हलालंकृयमाण। नासिमानमरु पर्वतापञ्चा नमाव। नइआलवनात्नी प्रमृतिशालमाजुस्यजंबूद्वी
पतेहमाहिमस्तकेउक्तनिधान। कोतकिपधान। जिमछत्रकरमाहिरेकारु। मेघमाहिहुतकारु। गोधहमाहिजेंबरु। बलमाहिमेघाडंबरु। निमलरसनेकेव
माक। लेहमाक्षिहोषरिरद्धविनो। रामेरिवमाधदयसमार्थः। श्रुतेरिकाबीशायनमुदायः। पृथ्वीयतावर्षधरक्षितेर्दिः॥ जंबूद्वीपः॥ तत्रदरनगर
शाय। प्रस्तुतंत्रआकारु बर्धित्रशालवतोलीहारुउक्तरिहिसेना   सानिम्यतिअलाकीर्ति दिसीएविवधवापीकूपमागवर। परंपगमनोहरः। आ
उबस्तवपयङ्गर। परिपाइस्तिबंधवेधुक। जिनालिसंकुल। वि   कव्वउकसर्णदेडकलशा दकानिशा निनउमनुः। देवकुलमदेसुवउयन्न।
शेलायमाख। बदिअवेश। अमलकुधावधवलित। आमादपर्द   नाचमरिननीयाणनिनाउ। इहिश जिहां शा। उंगालारण सुधाधवलिम
नविसिम। जिहांवाविशउउवा। अश्वशाल। नेउशाल। व्यायामशाला।   ला। विषारिजेजोरि। माहण। कूडि। पानकूडि। दामाकूडिम् लहरो। विहु वि
मोडहर। पाजहर। मोअहरा फलहर। श्रीकरण। राजकरणम् वि   करण। देवकरण। धर्माधिकरणस्थान। मांडवदेडकनश। ताराण० इहवि
कुमंथायनयावत। नहमायनधी मायन। धोमायमोसायन। उडिडिया। कडिया। धूहडिया। देमाला। मालीलेबोली। कउअमारा। बणावणारा। लूण
रा। नलभारा। कूडारा। बंधारा। रामपारा। सूआरा। चीघारा। लोहारा। मणारा। वृणिआरा। खेनारा। मेहरश। माहरा। माहरा। टोलियारा। पाटणियारा। दोय
णीया। बीपणिया। गोलिना। डिया। झिलिणाना। सूपडा। बीकणा। दरमाकणा। दरकनागहर। सूईगोवा। लोफारवेगारातलीलाईमेंखियादि॥ इव
लिया। माणदेडिया। देनदडा। थउउईया। कणमारा। घाणमारा। मूनारा। इनारा। बंधारा। मउआरा। कैमारजनोइवला। कांबलीका। नेरमा। सरग
राजकिया। गालपा। गोवाल। पशुपाल। केदोइसोइमाहिपा। अस्वेधरा। इत्येवजेनगरमध्यअदारश्रेणिवक्तनरिप्रजाबमहानगरवर्णनं॥ २

अगरनगरनिंबाश्रोबजंबूकदंबा। वउकटजाकरीरा। शाल्मलीमहुकीख। सरलतरलतालातकेतकीनालिकेरी। धवखदिरपलाशा। कानन
नेजउवसेनि। रेनाइंगा। लवंगा। प्रियंगु। ऊग। पुन्नाग। नारा। मागा। मागधी। अश्व। मक्षनि। अक्षोखजूरि। परमाल्हर। बजिहर। कदलिनालनकमाल। प्रियाल
हिताल। ताल। तमाल। श्रीताला। देवका। सदिकार। खदिर। खदिरा। कदंबनि। बाजेबाजे। नर। बीज। पलवानार। कणवीर। रुद्राक्ष। द्राक्ष। अक्षकरु। स्ट
षाटदट। कुटका। पलीविनस। सलकी। अंकोल। किंकेलि। नारंगलिंगिक्कसिंधिका। कीर्तिकारी। मिंडबार। मंदारका। दिद्दार। कल्हार। दाडिमी। वक
गिकरुगिकपिल। अश्वकेंकिरात। पारिजात। पद्मतिलक। कोवनार। करवीर। पलाशाकुलक। पिल्लू। श्रीलिका। माधवीलता। अन्नति। अनेकहकादल
विनिड। हरिकिनाफलित। मंजरित। पल्लवित। स्निग्धछाया। शीत   लमश्रीकछाया। आउलसाइला। निश्चितपत्र। वकुलपरिमल। पक्वसमफल। अन
कुपथिकविश्रामभूमिसिक्षिपक्षकुलाधार। इ हिआनंद   कमन। मजावधारि पाचकएवं विध अशानराज॥ २५॥ विक्रमाकोमदिङ्कुतकि
यवमितरिपुचक्रअनकल्पद्रुमा। पमान। सुभिक्षिरति।   मकदनिध मिष्ठ श्रीरामजिमन्याईकनिष्ठ। विप्तुजिमप्रतिपालकसरण। शि
जिमच्छारूढ। शनादिमसुडजिमकअना। कालेनीय। निर्मेयनी   मामस्पवादीहरिस्वंड। परश्रीगजोमूतवाहने। काकोदेव। विलासमनुबन। किंकिन
रायण। परापकारपरायण। विद्यावाबमत्या। लक्षण्यात्नक्षिगमा। सति। अदाजिवलरा मेरुाव्रड्दानचिंतामणि। विवेकावाहिनी। मसुडकोपकाल
नेलरुड। परनारीसहोदर। धृतादिमाक्रमित। मदीश्रमासोयश्रीमदनारविंदुकुंडलु। शिवनेइच्यकाल। पंचसूलोकपाल। मदनानवतार। हरिब
श्वडानिदहानण। धार्मिकशीषसुक्षपाणइअहंन। आज्ञा। अजयपाल। ब्रह्मापतिपाल। दासबीका। संग्रामधीरा। सज्जनानंदन। वैरखंडन। विवेकामर्ति बड
नस्फूर्ति राजावर्णनं॥ २६   त्रिधकेराकलापुआणकारिक्कमप्पी। सिद्दालमालस्कल। कामदेवनगरी। जिसीगुराहा। तिसीसूझुवल। आकर्ण
नविश्रांतनेत्रतरल। तरलनावा। दंडआली। एतिलककुसुमवृंदु। मदपंडितश्वालक्ष्मिश्रेधरुदल। करुजेस्नाउु। अतिरिक्तिनिमस्थिाकुंदकलिका। वि
शदनावलि। शरीरलक्षणी। दालाघमानकंपोतलिमुदमदिवि। प्रतिमकापालमेडलरपाया। छा। मितकंठकेदल। शारी। पल्लवसुकमारबा।

3

कचलिका। कमलाक्ष मलकरयल्लव। कंनिकुंजाउपयो धरा। वालिअ्या क्रांतदेमरंना स्तंना निरामारयुगलुकंना यमानतिलिभित। लघुजंघावहुलि
वर्णन१० अस्मारकचर। मयुगल। मेषलप्रना प्रहतो धकार। अतिसनोहरहारा अर्धहार। कटक केउर। नूपर। कटीमूत्रकुंडुला दिक आभरणविभूषालंकृ
त रूपसमवलित। उकुलकाद्विश। शरीररतिप्रीतिसमान। अतिसोनाग्यनिधान। रंनाजिमसदसुरूपसंपन्न। पवता जिमनिःसीमः। मीनागपला
वण्य। असंक्षना निजपति। वरनार ति भीला जिमदिमलमीला लंकृत। वीअनगा। चंदुजिम मर्धअनवंदनीय। नक नाकी जिम निश्चयप्रतिबेम।
आला। पिकरी का किला। रूपाग तिकरी राजहंसस्वरूपा। विनयकैरी। गतिकरी वेजसमान। अहिकरी गंगाद्वकापमान। प्रधानंनवयो वन।
रेलवयवरमान। लावण्यनउकुमटउ। अलमला समगति। इ त्रियदानी वर्णन॥२८ अतिप्रोद परम जोवना रूढ। युवतिजनन यन विश्राम मनु
मिरवद्यविद्यालाम विश्रा० सङ्गीगितयुगनगाकाररामुख स्त्री शृंगारहार। मकरध्वजावतार। एवंविध कुमार वरण नालिकाजिमदुदृष्टि
धाम। मूलबं नायमान। राजपनारसी कार। वसुरजीभिव दाधरिमंथनिकद कामकलानाक लत्रकुः। अनयकुमारः। मुंदुजिमनिरिव
लनीतिशास्त्रता ना। सुपूत्र मंतजिम उग्र संज्ञा। सा भिमनसं त्रिपलआर्धमार्धकृतोपारः। नीतिवल्लीविस्तारण। अत्रो माव रिवयवि दारणुः
सवेश। स्वविवरुण। विद्यमानमा सुदिकलहतुः। महाराज पतिशागीर। सुवर्त्तवादिनी। काकनकमयुमुद्रालंकृय माणुदकणदस्तुः। अ
तिप्रशस्त। मंत्रिमंडल सुखा नरण। राजमनाले करणु। पात्र नगत न्री वचस्सुहित उवमाल लीला विजित मदेश्वर। इस्यवरकुमैं रीयर। व
रावि यं रगा जानद्य। वर्नवंदनना। मसंस्थीपा दिवन शमार्दस्वप्त। गांवेना। भुसनासिकः। पा वंउणा। सरो वंजलेन। सुवर्त्तनेरुन। वक्षीउम
सन। कनेसुरूपण। आस्यनाझलेन। नेत्रंकृझले ना। कुलवधू। सीलन। पिककरणंगीतन। सहूरकेकया। वनेसिंहनाराजाप्रतापन। ह
फलेमावर्णजलदेनाजलाधाशिरावनायाशियाउकनक्षया। मासेन राजा थया दुरकदी लादवा मात्रा नाताम्या सिदी नेवत। दे
वत्रसुनागमः। कलालत पमान। वारित्रणनपुनिः। पुण्यदी नक्षत्रः। राम्यदीनसुमनटः। जलतन मारावर। ऋसिकादीन श्रेणली॥ एतद्वा॥ ३
नलोजनं। वास्यदीन केत्ंशरीरमकलाखामेदांयु आलासु। आडंबर मूलारिअजनशरमलाउपरोधिन मबामह
नीकुर्वीनवह। समदरदावह। कुंडउनी सारह। लालू याखारइ। ऽरयाजनवछका। वालतत्रस्क॥ वतीहारवर्णन
॥२९ रूपि जिसी शामादप्रतली। प्रियंगुलता सहशी पातली। नागकन्या जिसी अत्यंतरूपपात्र। लावण्यलीला मनोहर
गात्र। कादली फलसर्वांगिविकसिती। कमघटीरपाजिमकांतिकजलहलती। कर्मांति विश्रांतनयन। हुगल छवलसमा
सवरुस्थल। गंनीरुनासीरूपा। अमृतमय स्वरूपा। मु । गिनणा मूलहलावती। सोनागपावती। करिकंदर्पनणी चित्र
शालिकाप्रमीएकशालिकामांदेवीचित्रमहिवि चउजिसा उपाधा गिघटि उजिम उक्ताहितुक। रिउ। जिमिउमंचि
मनिउ। जिसउमसायर अरहमिउ। जिसउन्। तापिहि अजिसिउ संनिपातहरिन। जिसिउमदसिं सु। इसिउ
रूउ यदहस्थलानबांनवंइ। नदाम श। नहालइ। न खिलइ नबोलइ। नजिमइ। नरमइ। नदमइ। नवमइ। तममसुख
लागउ जेहवा। मनमधरेव उ। कमादलागउ। रूपति वाहाउणफलि। प्रियंगु मंजरि। हागजउमनि। हाखंदवदनि। हाक
मलिनयना। हाश्रेमनववनि। हामरूणि। हाजनमाहनि। हाशगावङ्कशोदरि। हामदनमंजरि॥ प्रियेकागमा। जाणी एकावाकु
परिघडी। जाणीएरंनाहलोबमा। आकाशिकृती पडी। रूपिकरीसार। अतिस्फार। कंठकंदलिदोलायमान। नारहारस्पष्ट
हारकारि मुखमंडसुकमलदल। सरलहृष्टि युगलीयमी। अमृतमारणि। सरसीसंतापवारिणि। जिसीदीठाकपउइर
लीमुकामलगिरवपणश्रृंगारत्नी॥ ३२ दंमगतिवास्तनी। मयगलजिमझूलती। कामिनी गर्वमांजिती। नंदकलाजिम
4

वर्णनप्र वाक्षती। नयणम्बाणि वींधती। वाकउजोयती। जनहृदय आल्हादती। भीमंतउताउली। केतकीदलिनवसरहारलहकावती। स
दनविल्हलिता। लागी वालिवा। हृदयविभ्रांत। हाधिग्जन्म। हा मर्त्येजन्म। हा शाणहित। हा मोनागणसुंदरगात्र। हा प्रेमपात्र।
हारु त्रोडती। विलयमांडती। आनरण नांजती। वारगांजती। किंकिणीकलापत्रोडती। वस्त्रस्खलनाडती। कुंतलकलापाल
नी। बाष्पांजलि केवं किमांवती। दांतुबोलती। सखीजन अपमानती। अपरापरदिगमंडलु पेषती। पानीयजिमरहित मछतलो
वलिजाती। कुणएकजोवइ। कुणएकरोसडी। कुणएकहृ। सखी कुणएकनिंदइ। कुणएकविकसइ। कुणएक आक्रंदइ। कुणएकझूरइ। कुण
मूर्छइ। कुणएक मूनकरइ। तसु तणु तउ मंता वइ। वंदउम्र लतनाल मानइ नालं। वंदिकाजाल इवं डो पक्षिलइ। कदलीद
लमानइ। इसी परिस्थिनेक विदरबोलइ। हा रूपमन्म सदा गुणमणिरक्षा। हा उत्फुल्ललोचन। हा अमृतवचन। हा कम
लसुरलसुजदंड। हा लावण्यरमकेउ। हा सुकुमालशरी र। हा महोदधिगंभीर। हा शनिपत्रमार। हा सर्वगुणाधार। हा देइव
दन। हा मन्महमन। हा परोपकारवत्सल। हारनारादण गरहा सुवन रक्षण। हा निष्टुपण। हा निज कुलवाक्षितसंना। हा ह
दयवल्लभ नइतिविलापा॥३४ पउढिउ जगलक्ष्मी स्फाटिक मणिवाकारकलमंतपांण। अमृतमयकिरणु। नमहरणु। सुग्धवधू
विद्वियासक्तिणी पालु। प्राणयकुपितकामिनीप्रकासमनोपालु। विरहिणीहृदयकरपत्रु। धाउवाकास्नकवाका। निःकारण
शत्रु स्मररायमकाकिलहु। अमृतसा वितवंदकांते। जामिनी कामिनी कांउ। प्रकासित केमदाकर। निवर्तितसकलमही।
मंडलवासरु सरीरमंतापहरइ सउपकरसनीककाम ॥उदयावलचूलिकालेकारु। निज किरणकुलितिरस्कृतांधकार।
४

सकलाकुपीतिसरणाकारु। निजकरनिकरजतापाक्रांतनिःशेषजनतसुषस्यवसूर्यमंडलु॥३५ मिरु अमवइसर मवामान
अनइ वयमान। शोकअनइ उत्सव। माणिअनइ कांइवामाक अनइसंमारुआंतरउ॥३६ कृपणअनइ दातारु मनइअनइ
क्रोधी। दीनां अरूवा। हसी। केट। सुजन छुट। लावण। राम। रावण। माह। माला। माल। बाल। तूण। पहुवाइ नइसूरा। राण
वामि। कांजी। वामि। काव। कपूर। सूर्यीनूत लराथराकं। शशांकानि कआ। आनपछाया। स्वनावछाया। कामधेउ। अरबक्षि। व
हिना। माली। हर्षीआंसू। ध्रुवजमाधीमाला। नाडीगुरुउ सुखदाहु। कटरमोरूद। उ। अनमीयु नागद मकाउ। आमाज फोयुध
जागिस्ड। आणजागिवड। कमलनाला। हृदयालावर्द दी। वेडाल। अंकुमाकुसुंना। सूरवीविहारीवंनाकस्तूरी। लसणा। प्रीतिअ
प्रीति। चंदना। कथंवास। दकारनिवा। काचमणि। निधमं नवपाप। बउठीकरी करीकामघट। एकाफाडउ। कि मिउनिःस्ना
रण स्नेह। काला डइ। किंकामधेनाकाटीलीमेल्हइ। विना मणिका गनइ को नाय ह। कल्पद्रुमाकाउन्मूलइ। लक्ष्मीकावेलइ। अ
लक्षिकावांतइ। वंदनकाइंधण स्रोनीकुमिका। चमत्कृ णपगधोइ। एरावण नारनधानइ। कस्तूरीनीम सिंकुणषा मानीमाल
पुकोकरइ। सगाविहिनिंदा टिनवइमारइ। मानसकाइ हिकुरपवित्रकानइं लाग वांतइ। काम मर्हूइ वृक्षमनकधनारीनइशुद्ध काप
परस्त्रीप्रेम वांधइ। कापसूर्यनी विद्यासंना। वणिकमाहिकोमीर। कुपात्र। कावियादिइ। नालपद विषसुखिका मेल्हइ। पा आत्म
गुरु अवगवादकाबोलइ। निमधर्मपामी प्रमादकरइ। काकिसवउ॥३८ दवरक्षिउसामाड। सुकरविलेषपाणी विणमरोव
रा सुनरगतमीर्चहरू क्षित्रमला। विनरहितआमीवाड। छायारहितवृक्षानेजरक्षिनकु। कमलरहितमरोवरा। गुंजारवरहित भमर
5

परिमलरहितकेवडी।नायकरहितसेना।पानरहितनीर।उच्छाहरहितजीव।नाकविणकीर।फलरहिततरु।सूर्यरहितगगन।ह्दउरवन।
इंदुरवस्त्री।स्नेहरवसज्जन।जलरहितसरोवर।नासिकारहितमुख।धर्माधिरवसुख।तिलकरहितभाल।स्थल।मदरवगज।छत्ररवकुल।वना
रहितनरेंद्र।वेगरवतुरगम।माणरहितपंक।लावण्यरवरूप।मिरिरवकूप।तिलरहितदीप।पक्षरहितहंस।स्त्रीरवश्रृंगार।हतरवआहा
र।व्याकरणअलंकार।लक्षणरवकला।स्त्री।विनयरहितमैत्री।राजारवनगर।क्रियारहितमुनिवर।तिमजीनदयारहितधर्मनापामइ॥४८ ॥
॥कलमोउपमादरात्रमनोव्रताड।नरकांतराज्य।बंधनं तवियारा।मरणंनविध्याप्रदोतद्रुनस्नेह।धजोतरोद्राराजेतलक्षी।
नायकांतपुद्ध।नाटकांतक्षिादहातस्पवदरारूाक्ष्मिमि उच्चावास।नावकांतकेवली।प्रकटांतश्रृंगार।वक्षोतगतिउ।स्म
रणांतिस्त्री।विस्वास।नासिकांतउद्यम।मनुष्यांतधर्म॥ प्रणामांतस्नेह।जिम्वंदमाले।शिगीरहितगगन।आदरान्तेरनस्त्र।
सुप्राडी।पतंगनइदीपनगमइ।वाड्रादयसरूवाकनइकवा हा।सयंप्रयडनइरूपगाजमरननइक्रोप।सर्षकालदेसांतरनइव
रदंगनारस्त्रबंधन॥ एहजसरेईयानइ।तिमश्रीवीतरागनइदेवधर्म श्रीजिननइनामइ॥४९ ॥वैडूर्यपद्मराग।पुष्पराग।कर्केतन।अंज
न।पुलक।इंद्रनील।नीलमसार।लोहिताक्ष।गंडकांत।जलकांत।सूर्यकांत।चंद्रकांत।अयस्कांत।गरुडोद्गार।पुराशि।माणिक्य।हीरा
पामिराग।शिलप्रवाल।लहसणिआ।स्फटिक।चांद्री।सुवर्ण।नीलमणि।लालपेरोजवी।इंद्रनील।मिवकर।विदुरा।कालदर।सूलदर।विषहर।विषद
र।माणिक्यप्रमुख।रत्नषोडश।जाति।तिमजीनदयानइमानइ॥५० एतावदसमध्ये।ज्ञानसमध्येवेद।पदसमध्यदेश।जातिमध्येचौवा।लाकवं
देसमादिमध्यदेसा।दर्शनमाहिश्वेतांबर।तिर्यंचमध्यमीढा।धान्यमध्यछीहा।रागमध्येपंचमराग।वादमध्यतकी।छेतु।तमसूर्य

मध्यइमाहिस्वयंसूरसमण।मंडलीकमध्यरावण।काष्ठमध्येउ।कलावचनकला।धातुमाध्येआप्रश्नमाहिकामधेनु।सुगंधमध्यकस्तूरी।कि
उमादिवमंत्र।तुरंगम।रत्नपायकमादिरैतंत्र।तिमधर्ममाहिजिनधर्म॥५१ ॥कःबाबीधा।मरंकराति।कःडुमंसलुसति।मधुरवि
ह्नकःविद्रयति।मिधान्यकानर्थयति।शार्करोमिश्रकःकाराति।गंगोकःपवित्रयति।देमानगतिःकःकाराति।काकिलारवकःका
राति।चमृतरसंकःकाराति।पुष्पंसुरनीकःपगोसनेदुग्धंकःकपा।मेरवानकधवलयति।उज्जमानोविवेकःकथा।मरूपद्वीपस्यसंक
रूप।विदकिणां।धर्मकःकपा।मयुइस्पजलं।दिग्वस्त्रकस्य संनीसागरी।हं।उत्तम्यनिंदाकननिष्फावित॥५२ करपाडकांतार
समंडल।इद्दामंदफल।नारीनिरगतिः।सभाश्लोकसंकल सुवाक्करंद्र।धर्माचार्यविवेक।माणकलहकंदलः।लक्ष्मीनोक
हषि।उदस्पहृशि।मस्त।अस्तुवविक्रम।मामयाना गंधःहृदरावेर।द्रसमोपसकलिकालनद॥ ॥जिमउपीयल्य
र्वादल्लीकस्पतिपदकुमान।दलिद्रस्वस्तिप्रद्रछाया। उमागमनीमाधा।मेधानलुरागुणपरनारीनुराग।अत्यारीकिनाग
नरूणीनुकरहा।गोकडनअभिरेक।धजउछेदावबरीसु नदानदीप्रवाहा।काम।वाक्ना।इंद्रखा।तिमिउविनयपरअनम्र
समाल॥५३ ॥जिमित्रनदीकूल।अम्लमितसूत्र।आडत्रप्रर।वीजानापेव।स्त्रीनानेउ।डर्निसलविद्या।द्वितीयानुइंदु।पाणी
नीरपा।नाटकीवेष।समुद्रनातरंग।कुमंसवुरंग।अंजलिजल।निर्द्दननुजनबल।कुमाणमध्यनिबंधु।मृगसिरवेग।इस्पन
यौवनधनपरिजन।जुबालउइंदु।जुषांउजनउवेड।जुमितग्रालासमुद्र।आलानिवक्ते।संदुहुनं।वायादारोता।अर्जुन।स्नोकृदा।
नलाकर्म।पंगुउसूर्यानृपमहा।तानीम।सक्कउहाम।स्ट्रीउवउलक्ष्मी।नमनउवाराहा।साकउनुमेराद्रा।नप्रसवामीदेपासनोक
सूरी॥॥

श्रीला।मानी।मिरि।बाधलउदोद।एकलउउमीद।जउशुकनोमागयर्कि।तथाशोकमपाउदाना।अलेनेला।७॥४५ ॥शुक्रमारम
राके मधिकार्यन।सूक्ति नदीनुतरुणकायनदी।मृगकमंडल।उमर्षद नाबारयजउ।कमागम वनिशुम ना।आरगपरचिव
उछलीइक्षि।विश्वामिउनीदाक्षि।कागोइक्षि।स्रअदेकालीउनेअनुमा।धुवत्रिकार।अनिथनीकार जिमलूगक्षिगाधान्य
तिमधागवकुपाड्दाना॥४६ मधरहितगज।लक्षादीनवध।नीतिदीनरागा।शोकहीना धंजा।वइहछिनाथका।धुंद्रिरथ।
गायका।पड्डरथ पायका।अमितिपुर वागी।कनाधर उमारपामगतोर।आलस्सकमारउ।अंधतल्लार।हुविनि।
नाशिध्य।दवर।विन्य।आरूतरपमरम्हतोबेदरथकविन्हारज रद्रिउरावे।वगरदिउअथ।शुद्दछा।माष्ठबोडथा।स्त्रीका।निद्रटी।
हाडीकुटी।धूलऽनगालिकूटी।एवमुनमोनइ॥४७ दान विश्वमरंजन।गिरावनकोना।क्षिनिसारण।स्त्रेम मशः आसाद
केवकीविनर्नकोरगा।भूमि मकाल मोरमजीनोकरु।केत्र भूमिकस्वोल।लालकमल।।कसौकरणु मभय गणगगा।मंत्र।
गा॥४८ अतीधन्मानप्रदत्तबकुमान।प्रथंदनविलिपाश्चरान पादनिथनु।मुक्तिदानसबेथावु।अनूलनमंत्रवरी।करण।हुर्यश्रे
हरण।भमयउणगगणमंत्रण॥४८ मंत्रमथी।दारुनवोनोधिमारण।इर्यशानिवारण।कीत्तिलनाकुंद।धम्मीनिःशंदुः।माद्
महीपाल मिरकील।एवंविधशील॥४९ त्रिभुवनवशीकरणमंत्र।मदनयुद्दोहारनपरमब्रह्म।लानार्णववड्वानल।माहलक्ष्मी
निवासकमल।मायावल्लीकुठार।दुरितपरिताप।तस्करप्रकाश।अभिवितिनश्रयंश।विभावाकल्पतरु।धर्म्म महाराजनमरः।म
हेश्मोरथकरण।इमवएकनपक्षरण॥५० त्रिभवनतिलकदत्तला।कलंकमुद्रिअनल।दानाहुतित्रिनदाना।योगोदक्षधपा

श्रीरकृष्णगाभि।मिबसुहिमरण।कर्मशुणतपक्षरण।बंगनोराग।आसादादंडकलमआग्नारि।स्त्रीकंवकोदलिहारि
मीधकयासंताारि।व्याधिपक्षिपरिसारिकसोकुमलसमर्थवलमालेकारि।लनेकमलि।राविदंडमंडलि।हारमुक्ता फलि।मरो
वरकमलि।मुरवलोकलि।पक्षीनदीकूलि।वीवादपरकूलि।उत्रवस्तुलि।पानकहरि।नाविवाविनिरमवतीशील।प्राणि।सरस्वती
नसानि।साधवामना।निमधर्म्मिज्ञानइज्ञापाधर विज्ञानगणपाकार।श्रीलिनीरतण।हुंकार।धकनगाकम।मीहमावोपमा
प्तगण।केवा।महानिधानिरवाकार।अकरथरेकरद।देवा नलमहालङ्क।माइमधकनगा।अधवीडइ।रागमांवरद्र।लवनमधु
ष्मीशाकिनी।हक।केमारकधरितकमाल।त्रिविध ल्युनीविश्वानरमीकाल।विसाममदेमङ्कपकंडानिमाकरखुपाल
सुरानमाकाडिसुपराला।पायला।केमनाल।तालडह्क मरलप्रमाणं।धातुगालमरल।त्रिसीपर्वतनगी।दानहिमारी।व्य
डि।सवावमलानप्रमाएकपिमाव।लरण।विनिपरा कासा।अतिदाकार।कठिकरता फार।फेकारकुलोलवतार।ख
पिमल्हनाकाल।इदंतानमाला।किलकलंतडमाउकल्या तावतालाम्बरवुलनमधामिदबाद।मधजलइ।मदाम्बनगजेइ।आ
लहल।मादनालाव।दातिरमरं परस्पवकनाद्दिमय नीवर्कविओक्तस्वलकलह।वांमयासिदवकलइ।मगएकश्रमिलइ।उ
हिंडुमदिसांवरइं।विडकवकनिरवइ।एवउवंडाकारिपडइं।विलीवजिमनाकिंकर।जिमादवियाधीलाइ माधीमहस्वीला॥
किमितवंदमंडलु।त्रिम्पउमकरकपाषाण।अहल।कीरामिवलजलुदिमावर्त।विधकेनकोदव।मिरदमअल।मोक्तिक।म
कोकुहमशामर।तापमसर्मवारअहार।शिवमधुरुकामिनीकेदाकनिकारा।कामकमपकरुडिअसगाढीक।गंगा।

वर्णक॰

श्रा।श्रि।भिउ मध्य दिन स्वरा।निमकच्या मरहुला॥४४ सौराष्ट्र।दाक्षा।द्विमा।कच्छवाक्षा।कुंगा।कूंगा।मारी।मरुस्थाण।।मालापा।वाघेल
नेना।मस्ट।लाटिया।गुल२हार।कुदिल।उदिला।तडिडडा।डोडिया।पढिवाण।परमार।चेदिस्ना।लकुणाण।वोच्छका।शीधल।सूरमा।अ
काफादवा।महिसडा।मसाडा।निकुंभ।कंधिल।मगधजवन्हि।छत्रीम राउकुली।स्वामीनई समलाकरह॥५५ अंग।वंग।तिलंग।
तोक्षा।लोडा।द्रविड।मोराष्ट्र।महाराष्ट्र।सातीर।आभीर।चीण।महाचीण।गउड।नगरि।बंगाल।बंगल।श्रीमाल।नेपाल।मादल।कोस
ल।मालव।सिंहल।हिमाचल।तुरक।लाट।काश्मल।अंगल॥ गोंडवा।बेर।जालंधर।लाडिस्थ।किरात।नामलिप्त।पारिजात।श्रीपर्व
तोमर।तरहवाक।उडदेश।नर्मदातट।लाट।कुरु।कवि दमनी।वाल्हीक।कामरूप।मारुमरूप।कांकण।केकाण।कुंकण।४
वैरक।ठक्क।वोंक।नामिका।कन्नट।कोलोल। का नाव्हक।उडियाण।आनर्त्त।सोरठ।मरहठ।कछ।केका।के
मल।खेतल।वकुल।कुल।कलीकाट।बिसिदेसाल। श्रा॥५६ यदि मध्ये मरुस्थलदाक्षिणेता। शच्ची कंपकास्यंतः।न
नपुराणेति।कन्याकाति।नरसिंदाकावारकवद्धो। आति।नर्दिकनावरणं।। हिमालयनमस्कारापमवाकिंमेरो मरुस्थल
मव पत्राशि।कनकप्रवार वारदा मंदेह।मर्दिका चक्का।लक्ष्मा।दारिद्येन दाकारात।हृदयस्फाति मूर्खमवाक्यः पादकः।पंडितापा
पोत्रस्ता मां स्त्रिकला॥५७ यश्मिन्ये दयेन्नवाकानां मुखायते।चंद्रोदयश्च काणां भसंतकोकिलानां।मेघस्ता नकानां।कूल
कुमुनानां।मानमरोमरडमानिनां।मृजनस्पउणोकीर्तिनं॥५८ वंशोकालंकजल।राग।कज्जल इव।मेघ।विकचमानाद
कुलसोर्वि।महालक्ष्मीस्थिरा।निमकंकेतो।मेघपधारा।मंस्या।गगाने।तारक।मंस्या।नूतनोरणकःसर्व

३

ा द्रुगुणौ संख्या।मानसे द्रवेस्या॥५९ ॥ अयमंसिरहिकानाम्ये वांगडुबने।गृद्देयकालपात म्पदवानां प्रहर्ना।वागवधंविधायपूर्व ।
न्नान्येवाशोभ्रनं।मीनान्मार थुद्धा।कुदेवेक्षपवनं।स्वमाहादडपुष्पेन।दुस्समजयथा।माहगोन नोग।कायंविदग्धा।रूपवती।दोनीय
शिरसा।मा वि धव्यं।सुनगा।दारिद्यानी।निपरा।गार्भ्यमनं।मिर्द्रगानां॥श्री।अकरूपाणां।सोन्मार्ग्य।नीलानां।बनुधं।दंडिकलंकं।स्वमाह
ददा पदर्थं नालकंटकाः।जलधिस्त्रयापर्यं।अमीड निर्धार्या॥सर्वं श्राव्य॥६० विरूपाच्छ्रेदेमनीवो।जोरस्पर कर्कं।मार्जारस्याणय
लेपदस्पर्शी।नाहृश्यायावनेकुलं॥६१ दुर्भक्षोपेक्षानिमिकाकिं साधन।सुखपुष्पा कि हिंमाचा।सुरपिस्मरकिं सक्त्याप्त।सुघटिता
धाक्किंनीलमणीयते।अंगारेलो पिउष्ण।किंमजामता। दुष्टस्य मित्राण्यपि निवृत्ति दाताश्रमफलाय ता।स्वसाक्षिकाधिकापिकाप परव
धुस्या लिंबडाल।धोतपिक्षुरालो उदुर्जन मिष्ठवलो। पिशपर मुखवंचका प्रोस्प रेण।उदंतहृदयो।धौरेयवो।पंकदा गिम ता।स
दसिमाद।हृदया।मीमिश्रो।आगमनकाल।मापवी कर्णा।दुर्जन कोपरी कृमि ध्याट्ठ मिक्तद्र पहर। उग्रा स्त्रग्नमस्वसंलाप
शिवमासनाकविउ।अल्लउराग दवंधरातरंगी उल्लास। वकाः मालाक लिउ।मंदा पिवडवा मल्ल।काला स्फर लिंग।हामिय
संसार समुद्र॥६४ ॥ अयंसुषाया मः। आयश्च विक्रमाका धातु। स्वरति संक्षसु। राग द्वेषविं ता दाह। नरक पात। सधर्मनागु
विद्धिविधाश।पापोस्वासु।हस्तिस्यासु।स्वासुविसासु।राजभुज अगडागरुड।अंधकार पवेसन।विकटादवी परिभ्रमण।गर्दभारो
पण।राजावंधन।कन्यापाणिग्रहण।दुर्जन अविनीत घात।अग्निदाह।सर्पादिकानां दमन।कम्मादिक दुःखप्रयोगः।हस्त
मेरु।शिरच्छेद।हृदयच्छेद।गड।भंड।शिम्फोटन।लाह पादिक भिनः।इति दुःखिया।स्मादिक मध्ये नावनावरका॥६५ ॥
वधबंधनतिरस्करण।आरावहारू।नामादेशः।अतिनारापरण।लायलादिक केवना।मकलक्षेत्र।मर्दन।पाषाणवहन।क।

४

वर्णनप

पंडनाकद ग्रंथ। ग्रामनिरोध इत्यादिक्रतिं बंधि रक॥६७ सकल हरितनिनीमम स्वयंमाक हारकपाट में पुरा उद्घाटन कुंचिका। मह
त्रिमार्गदीपिका। केवलज्ञानमलावशीकरमूलिकाक गतिद्वार शब्दशब्दसंज्ञा। कर्ममल प्रक्षालन। सलिलवेला। इमीदृशा। सकलममीहिता
र्थसिद्धि। स्वयं सूत्र सूपवर्ग सुख संपादि अतीन्द्र॥६८ त्रिभुवनमाधार। धर्मनगर प्राकार। भगतिनगरी प्रतोली द्वार। मोक्षतनवनांउ।
गपार। दुःकर्मवल्लीछेदने कुठार। मनोवांछितफलप्रदानकल्पद्रुमावतार। इत्पारगम्भकादह दैनंद मसहरक। सर्वधर्मनिउमार। दु
र्गतिपडतां आधार। इस्पक पंथपरमग्रन्थिन मस्कार॥६९ कंदमूलफलाहार। जटामुकुटधारक। लांगलश्रक्रष्ट भूमि
वासक। ब्रह्मव्रतप्रतिपालक। परोपकारक। कोपी। समावपरिग्रह। स्फटिकन संसारमें ताउ। ज्ञानलभिकर्ण असवलित
क्षताउ। नग्नकेंदप्प चाउ। संसारको तारसाधवाकु। दुष्कदावानल प्रबलज्वलन प्रशाकु। त्रिभुवनद्वीप। निर्मलगुणाम
णिक्य मिंदलहीपु। जीला हालितकलितकानु। पातक पञ्चफिकतु। बालउनिर्मलशस्तु॥७० पाणी विस्वामरभी परिक्षालनइ हि
गपक्कसा लज्जा पापीधरिधर्मफलुइं। सर्वसाधारत्यबालइ॥ ७१ घनमंडलवालद। नक्षत्रराशिकादलइ। मेरुचूलिकाउपरक्रमगलइ। म
सुहुमर्वी वामेलइ। आप पृश्नकर्णगद। मीहृपशाक्रमसलकइ। तामसलबद्ध अतिपन्न न रूकह॥७२ ॥जिम प्रधान सकाबेरी निरिजि।
जिम कुंकुमकाश्मीरि। चंदन मलयाचल श्रृंगि। कस्तूरी कुरंगि। लवणसमुद्रि। गजबंधावलि। निर्मलिता संखियिं॥ कमलपद्याकरिनि
रु विद्याकरि। मित्रमानि वाना। विवेक स्वजराता। हीरावयरागरि। तिम समाधिस्वजनमधरि॥७३ पर्याइ कृष्णाभासिकेतड्ढं पाणी समरी।
स्तोकवा या केत ठं आप पनी गमइ। कातरकेप्पर स्वरसमइं। पाखिउमे इकेत उगा अश्वाका खनेहु कि० मालइ। दुर्बुद्धि निवाल्लिवर्धति।
रणो घेवदिड़ि। उपेक्षारिउ। आत्मस्पेद्वारियं। अपस्रोगसमतेविषयानंदापाप। वचा मनजरा। वेरदेण कृशावं। बोकेनझरको। हते।

८

हारा दुर्दचालमे त्री। अस्मामन विपद्मा संतोषेन रूपरका वहीता॥७३ तपक्रोधेनाखेदो विरदेण। अविश्रामसवहारा धान्यम
हस्था। कुलनारी निर्लज्जता। रूपादोर्मा गियण। राजपंक्ममेत्रिण। गर्वेनथरा। मर्वेनिस्पंहि। रविगर्भस्मामा नारयति। स्वाम
मनि वारयति। संहारादवां विनांना शं रस्कृतिनात्मानः॥७४ ॥वहुर्जगात्यद्रपति। नष्टनरात्मानं। हस्काअन्ये पोंवा योंकर्दतेंकिं।
कालानि नमर्कालाना लिफकरे। स्वद्वांचात पद्रमय रिमाणेन समर्थ। शाणघर्षणाप्र। लोहा शंतवि किनमाणि। नस्वेंनाधोन्नमवा।
रारड्ड रकंमदि चाक्रमेषांसुरकेउवंति। काकारमेनकिंकरा ति। स्नानसत्यं तुल्यं किं। विधवाकेकलेन। सणिक सङ्गेन। कुक
टमथ्यामन। मायरिककसूरया किंमूर्खकामेन। खरहीन गीतन अंधःकुक्लेनादरिद्रविदग्धा। ध्याहदलक्षणेन किं। नघातेनि
रपिद्रुमाणि किं॥७५ राजानरा विश्वासनत इह्रूं तदंम। वैद्य दंष्क्कलमनिरूपणतिचा। मार्याबापा ल्पा। गामवसिं बनती
पूजा विद्या। संघ महा संघ मंडाया। नंदवा लिवंधा। व्या। हृदवानास्तावी। श्रृडीकुहली। अनिधना पसिद्धार्थ संकां।
गुह्या फलमापितारवा। दर्पकुलसघा पा। नगरम। शमहात्ममहके॥७६ ॥समस्तोमणसमुद्र रक्ष्या। लिंउ। हार ह
रतनवलय स्वरातं। वणीदेंड बूदरा। पाटाली फाटला। नता। टिमिलका। कर्णकुंडल बाजूबंध। चंद्रुलिं। इलायचक। कटिका
र्षिपाली। कुद्यिका। वीर्धिमोती। सिरिह दिसमेक्रमरी। हार्षिवोरा। का निपालरा। अंगलग। भीम लग। हीरालगा। मातील
स्तुष्टिम। नरिम। नाट्टिम। डालिया। ज्ञालसर। पाकपद्रका। नमींदर। पीपलवना हार। अईहार। त्रिसर। चउसर। पंचसरः। षट्सरः॥
सप्तसर। अष्टसर। नवसर। गजमिरा। पारियालद रिया। वनसर। मोनला। पाजलिया। एकावलि। नक्षत्रावलि। रत्नावलि। मर्यो

9

वलि। कनकावलि। वन्नावलि। सतरावलि। मउड। बीबकी। तिलक। कमकारा षडी। मामी अडी। हीरावटी। मडपो। नाशुलो। ना
वर्णक ९ गाफणा। खीडुला। बीडुली। वीडुला। बाटुली। मागरी। अकरा धडि। कामी माला। माता कडा। हीरा मिरी। गांठि। गांठिया। कं
डुला। कटक। कंकण। चूडि दोरा। नोडरा। पीहलो। अडा मीना। कांडो। आकरषा। गंठियाली। आलियां। वाली निउर। कंकर। कां
बीपागडो। अंगूठला। छे वीटीया। वीलीया देउ। बोकडा। नांकि। बीटी। वेगडो। वउगडो। कलडी। पलंब पलंबा। त्रलयबीर। अनर्घ्य
महपाय। लाडर। दक्षिणंग्रा। कटिसूत्र। कांषीर वना। झडाम।   ति। अंगुलीयक। रुषर्म कनक। पाय संकलिका। देवछंद गुछ। माल
वक। ग्रैवेयक। दिविभूषणा। बाजणा भिरणा। घोलप   टविभूषणा विभूषितकन्या॥११ लालती वडक नारइ। जीनइंअसदो
मशा वीह फाडइ। नवधाभेद फाडइ। बालवई झूडी आ   छाडे। झडागी मरिमुषा नमाडइ। नगाई करती घांटली बोडइ। भ
जी णइं बोलती माथा नाके मकलो षाइ। नेत्र धकी काजल   लकनार इं। नांतणि बहुमिलक पाडइ। जिमी इंगारलणी बेटी। माप
माथइ लीहपाडइ। मही वइसा नदी षबा स्वकलारइ। लीलि।   रिदी नीकं पड्या। क्षितारही। विदाकइ। अज्ञायकरी। अंगि रुपावइ। अंग
णी मीक फली गी। अडवड पडती नीकी। लिमाहि रलवलइ। जिम जे वलइं। हालाहालिई मनी पआ नादो। आ बिकाबीइमिरियाभरि। ख्याल
रमि। अवषडि। अवकरि। अगीलगरी। अरणइगारी। करेगावणी। अपवित्र। बोलि विषधरि। हरबी। बोली। परघरजाइ। कटकाता। इ
कुकलनी। अछीना। पटिश। विदिवस। म्हारिस। मुखबोलती। कनडि। कुआति। कुबालिका। लि। विकरालि। कर्कशा। दुर्दशा। कुरूपा
दरिद्ररूपा। कृतारटना। परगेहिनी स्नेहदीना॥१८ ॥एकांतमंक। अवरक। ज्यंतारा। कडेमपरा। अणवंता। शील संभा। शास्त्रसंभा

स्नेहपाश। पवित्रगात्रा। उल्लारूपा। शृंगारा। मदनंकारामस्नेह। पेमांधना। शांता। दांता। भद्रांता। जितेंद्रिय पस्हरिता। परवादास
क्षेता। दामनी अनवाल स्कतिजकाडकारिणी नरना राक्षुराभिनी॥ इत्थुसुखवि कारा। सुविचारू परिया। तितञ्ज
लावार। कुमपरा। पकार। जालिनी। जिमी अमृतवेलि। मालतीनी जिमी गज गेलि। ममत्व रश्म संतान। पद्मीकलत्र॥१७
॥ अमहे ऋकपरियसुविमां श्रुलाग्रा ब्रह्म। शुत्तलि विघोष अक्षि। मंछी सिरंगी। तन्मावतरंगी। गामनतर। नेत्र रवरति
मालुपस्पृंगारि। रावि वेडमा। किरणि। वाम इतिमञ्ज   घरणि॥८० बिदलामत्यैकदेशु हुकुइं। पवनो धृतध्वज परमह
स्पंदत्रतराति। किरणा। सुनट। दृक्का। जुकार विज्ञा   मितकातरउणा। नं ना मृदंग भेरी। नोकारम। सघि रन। दिगंतक
। गजऊरगा रसा। छैत्र सम मलिनी कनगगान मंड.   लु। मयमन्न गज गाहिय परिमलित्र वसुधा। तसु। सुनरस्त्र
टी नयंकरू। सुनट। कोटि नटंकरू। परिकरित खुरं   गतरिणे घाटि परियरिकरित। पताका फरहरती। विंधलहन
नी। मघाडंबरतणा घाडंबरि। सीकरि मगेरमालिहां ते जयश्कारकरती। बंदितणे सकवाति। मंडलीकतणे परिवारि
मिलइ। उदार स्फार शृंगार घाक ष निकवली वलीममत्रिन। गोवातणे टंमकिश हू असाकि। सर्वइ निश्चकटलउ। दुर्ग
नमइकारणि। छोनक पलावलउ। बंदितणे जयश्कारि। अंगि सर्विउंच्छू सइं। तउण मां विगा इसकउ। चातिउ। बिंफ्य
ललदल मित्यां। बिंफ्यामे हह्ववनधसां नस्या। षत्रसूड्यां। दिवमनिर्दिष्ठकितकुतउ। अहेल पणे सरक्यां। दवाणदके। ना
जी। नवनटलरलिउ। मछइफलरलिउ। नेरहं गलनेडं नवीदा। लइमिद्दफाटी। काहलनेक मकमारिकातकमका

म्पा।सुमनदिनादिपद्मनिश्वागझीदीसूमिपङ्यां।जोहिकादलत्रहवडी।गिरिगुह्नरखडहडी।मीगतिनाकस्त्रोलत्रहलइं।नीम
लिप्रायवस्यां।कायरमघलाघलनल्पा।नालागणगाजिड।खुरलागीलेदहमंडलिलागी।रविकरणतणीवाटमागी।धड
हडइधरामेडल।आकंपिउफणामंडलु।दंडसुहफलहलइं।नीसाणघायवलइं।अमइझबद्वांडझटडे।मिरझूटीसूमिकाल
गा।गिरिगिघिरधुडहडसालागा।कमैधक्षडपडिवाल्नागा।दिगाजपडया।दाकझकवाजी।झलेरनफाटा।माङ्गणिपमरिहोष
मलघलिडे।झम्मिराजकमकमिड।वाराकवलबलिडे।मे रुसलकिडा।हरडेविभमक्षिडे।डाकझकडोलनाज्यां।गजघ
राघडी।घोडेपाघरपडी।सुमटसन्नाहलाधा।रघडरंग मनीशुक्ति।कीधी।म्वामीनणकार्यमनिधरी।स्वर्थहनिला
गी।जीखरिमीहोपथस्निरी।हा।विदासीलीधी:।रगा त्रलकमी।कोदंडधनुपघम्यां।मत्रहवहक्तया।अमदाहजी
मणीवांधी।वधृरीतणाक्षाक्षिशास्त्रकलक्यां।कविया कांवडिया।उमरिया।मोवलिया।गडयडी।फारकफरहस्यां
धडाधनघलनल्पा।रोनाणमीगडिया।फारकतणीश्रेणि। ।पालाघलनासुमट।मान्यां।रणहरवाज्यां।सुमटनामत्रगा।
ज्या।वादिडघाथवल्या।कानरल्लां।सुमटमाकोलाहलविमस्यां।सुमटवीररमिनस्यां।घडुलाक्षमरघ्रलोलमंवास्यां।
धडुभिरंकारव।काहलविमिगांजी।सुनरसुहझुसविउ।जीणमाणविहवी।।विकंदमिकटकणसत्या।अरूडवक्रस्त।
मिकवृहरमा।घोडाहणाहल्यां।रंदारवनाज्यां।करीनापंडपनाङ्यां।गजनामंकलताब्यां।पायकश्रेणिविमारी।रणदो
रिधरी।सुहराणिरल्यां।आपपरनजाणीएं।दिमिनमरूझ।आकाशनजाणीए।आपदलपरदलएकह्रुउं।ढस्मीगलगली

१०

रविअखणीए।अश्वाहेषारवि।रथडाहि।विंधयताकाकिंकाणीनादि।सुमटमिलइं।कातरनाशवालीलाअइं।तुरंगमि
खुरेवलीदलियइ।सइरीनेजमिलइ।घडुअहारिहमीघडहडइं।सुमटऽक्षुलडइं।गमिधारामर्मनिपिविमहं।धडफलक
हं।एकिषड्काटइं।गजघरनवाटइं।हास्यकलनकहवपगदलकडं।इसइएकिरणिसंग्रामिप्रवर्ट्ठमानि।राजामवद्वडे।
फूफइ।गजघटालाग्नइं।रथालीमलालइं।मउडाधामाकडझिमघेलावहं।दलसमुदायनोअहादलवइगाजइ।सु
गिसिंहनादमेल्हइं।विदिनसधीजनउमरिइसइएकि ममरिवाणश्रीरामदेवअयपनाकालीधी।।८ ।।आरहजकी।
वाअवाल्हीकपाराभर।पारस्नरीयनजीडेगतार। पाणीपथा।उत्तरपथा।दमाङ्व।गमिरगा।अक्लीनपद्दिहा।
एश्वाहकत्तरंगममनोक्ता।।८२ वीनोछक।पहो छका।गाजीमर्मनीलनेत्र।मजोग।वारगीपद।पहार
वलबलीया।मघश्रा।मोडलीया।त्र्यगगरजाद रामेघाडंबर।ध्वजपट।राजपट।हंसवडि।बोरीयावडि।।८४।।
।।इंद्रनील।पद्मराग।लोहिताक्ष।ममारगल्व।पुलक कौसुम।श्रीपणि।दवानंद।चंद्रकांति।विडूर्यमणि।कर्केतक।।
प्रबाल।अनेकारनजाति।।एप्रक्तिश्रीसर्वननमाशयशार्थंदध्०।। ।।समाप्तमिति।।छ।। ।।शुभंभवतुलेषकपाठकयो।। ।।१
।।...।।८०।।अथगजवर्णनं।।मत्तांगमदप्रतिच्छित्र।उन्नालिन्नसुंडादंड।शुणमाणिक्यकरंड।मिंडूरशरगण।क्षिप्त
वर्ण।सूर्पमानकर्ण।महाकायपर्वतप्रायः।राज्यमाम्राज्यलिक्ष्मी।अविचलतीलागतिसांचरडं।मदक्षारिकरइ
लि।कमीनरइ।परश्रीहरइ।एणवउअनुकरइ।शत्रुवर्गनिर्दलइ।जाडइवाउलमहर।।स्वयंवर्णनं।। मामुज्य

11

वर्ण्णनं॥ बत्रीसमहस्रदिमानलखमतेत्रीस आत्रिंश कदेवा।बत्रामीमहसूइंद्र।भामाम्यकदेवा।बत्रामीमहमूत्री।
वर्णक०
तरकृष्ठा।चारिलोकपाल।मानसन्नीक।मानसनीका।धिपति।आठअग्रमहिषी।पुराबणुगजेंद्र।उच्चैश्रवाउरंगम॥ध
चक्रवर्त्तिवर्ण्णनं॥ छखंडपृथ्वीद्युंवंमदनीपतिनवनिधानचऊदरत्न।मालमहस्रजिहुव तिहिक।बत्रीसमहस्समकटब
द्धराजा।चउसठिसहस्रअंतेउरी।क्षेमपुरपिंडविलासु।बत्रीसमहस्रनाटकबद्ध।त्रिनसइंत्रिसठसूयार।चउरासीलाखर ९
थ।चउरासीलाखतुरंगम।छनवतिकोडिगाम।मवीको डिकुमार।छन्नवतिलाखपारणा।बत्रीसमहस्रदेशा।ठनवछ्र
कोडिग्राम।बत्रीसमहस्रवेलाउल।गामिगामि घोडाकाटमी।नवनमहूलाडिदलमिलइं॥१राजकुमारवर्ण्णनं॥
ग्रामनगरसीकुमारवरीहृदयमिस्य।त्रालोक कंटक।कृतांतमूर्त्ति।समुद्रमेकुंपालाकुंवरः॥थामादव
र्णनं॥ प्रसंगलीरी।हिमगिरिमिषराकुमारी।रा।म नादारीया।मदश्रमेतिसिरजभाना।पाबसुगर्भमद्धाम्ना
डः।रत्नदविननीति।मतिमछकोमीमां।चुष्पंरायापमा। रागमुर्योनलगाट।रत्नमहरंउवंभावज्ञमहपावडीया॥ब॥
राप्रमनावर्ण्णनं॥ रायराणा।चउरासीया।मंडलीक।मुकटबद्दम।सामंतमुहंता।महलो।श्रीगरणा।वडगरणा।ध
र्माधिगरणा।पंचकुलीमश्री आडमा।पडसारमूमाहणी।मिजमालमूयार।कोठडीया।मोईपडिहारविविधसूत्रा।श्रेष्ठि लंवर
आरामा।निर्गमकारः।उदधरवमरहार।सार्थवाह।नेमा।वीकाउदी।दामदी।साला।भागलीया।कलाकपकोमुहा। ४
मानामीगबेला।दीवटीया।पेमिवादरी।पुरातिमवदि॥छ॥ ॥राजावर्ण्णनं॥ ॥मुनीश्वरमुवनरत्नपवनार्थं॥ नैः॥ ग
२१